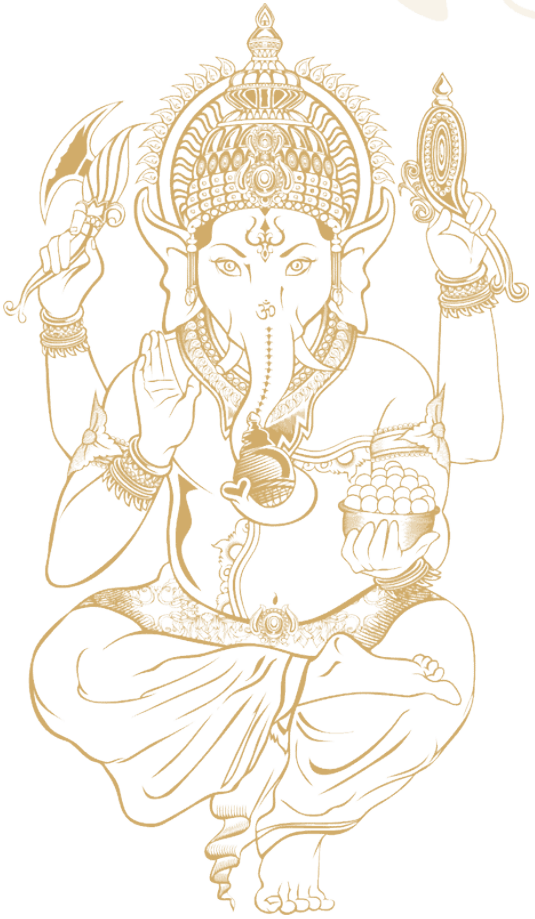

Shivank Katyan

02 Oct 2009

11:24 PM

Faridabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121307402

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**02/10/2009**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**23:24:00 घंटे**
इष्ट	42:54:14 घटी
स्थान	**Faridabad**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	28:24:00 उत्तर
रेखांश	77:18:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:03:12 घंटे
वेलान्तर	00:10:37 घंटे
साम्पातिक काल	23:49:31 घंटे
सूर्योदय	06:14:18 घंटे
सूर्यास्त	18:05:36 घंटे
दिनमान	11:51:18 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	15:40:32 कन्या
लग्न के अंश	15:50:16 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**पू०भाद्रपद - 3**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	वृद्धि
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	सिंह
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	दा-दामोदर
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	15:50:16	318:35:47	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	---
सूर्य			कन्या	15:40:32	00:59:01	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	शनि	सम राशि
चंद्र			कुंभ	27:51:28	12:34:24	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
मंगल			मिथु	28:41:03	00:32:55	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
बुध			सिंह	28:28:39	00:31:59	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	मंगल	मित्र राशि
गुरु	व		मक	23:20:59	00:02:04	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	नीच राशि
शुक्र			सिंह	20:55:36	01:13:50	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	शत्रु राशि
शनि			कन्या	02:51:13	00:07:22	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
राहु	व		मक	03:34:41	00:09:57	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	मित्र राशि
केतु	व		कर्क	03:34:41	00:09:57	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	मित्र राशि
हर्ष	व		मीन	00:02:14	00:02:17	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	चंद्र	---
नेप	व		मक	29:59:11	00:01:01	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	---
प्लूटो			धनु	06:46:39	00:00:40	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	---
दशम भाव			मीन	03:08:58	--	पू०भाद्रपद	--	25	गुरु	गुरु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:59:50

लग्न-चलित

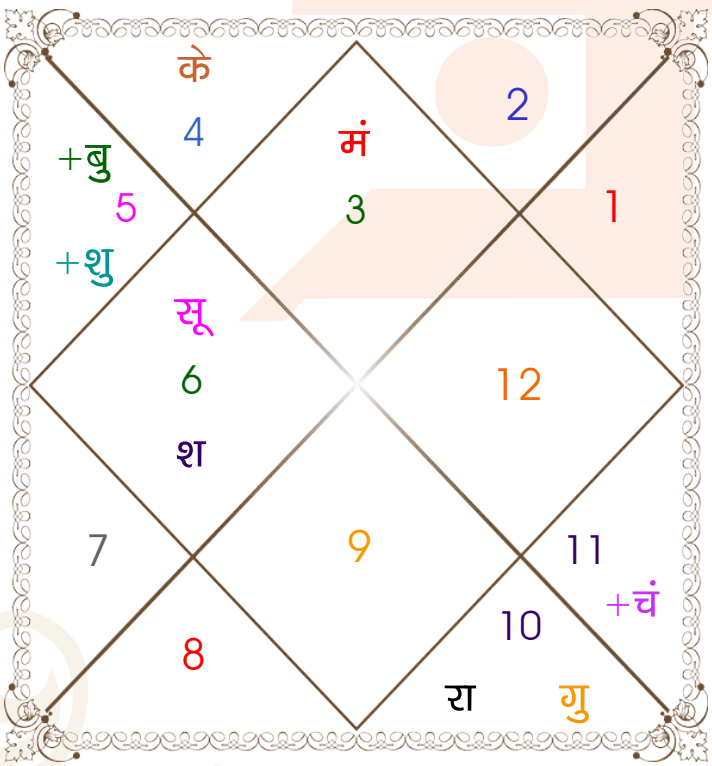

चन्द्र कुंडली

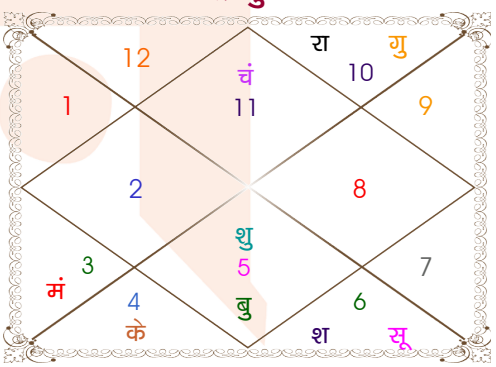

नवमांश कुंडली

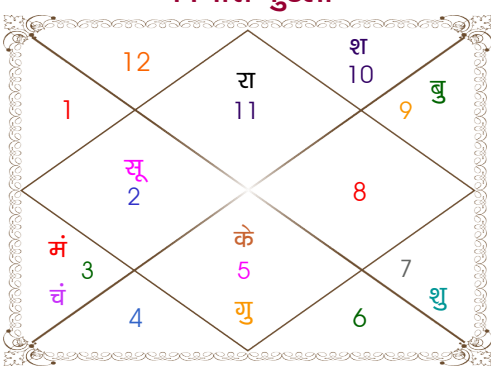

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 6 वर्ष 6 मास 25 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
02/10/2009		28/04/2016		29/04/2035		28/04/2052		29/04/2059	
28/04/2016		29/04/2035		28/04/2052		29/04/2059		29/04/2079	
	00/00/0000	शनि	02/05/2019	बुध	25/09/2037	केतु	25/09/2052	शुक्र	29/08/2062
	00/00/0000	बुध	09/01/2022	केतु	22/09/2038	शुक्र	25/11/2053	सूर्य	29/08/2063
	00/00/0000	केतु	18/02/2023	शुक्र	23/07/2041	सूर्य	01/04/2054	चंद्र	29/04/2065
	02/10/2009	शुक्र	20/04/2026	सूर्य	29/05/2042	चंद्र	01/11/2054	मंगल	29/06/2066
शुक्र	10/11/2010	सूर्य	02/04/2027	चंद्र	29/10/2043	मंगल	30/03/2055	राहु	28/06/2069
सूर्य	29/08/2011	चंद्र	31/10/2028	मंगल	25/10/2044	राहु	16/04/2056	गुरु	27/02/2072
चंद्र	28/12/2012	मंगल	10/12/2029	राहु	14/05/2047	गुरु	23/03/2057	शनि	29/04/2075
मंगल	04/12/2013	राहु	16/10/2032	गुरु	19/08/2049	शनि	02/05/2058	बुध	27/02/2078
राहु	28/04/2016	गुरु	29/04/2035	शनि	28/04/2052	बुध	29/04/2059	केतु	29/04/2079

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
29/04/2079		29/04/2085		29/04/2095		30/04/2102		29/04/2120	
29/04/2085		29/04/2095		30/04/2102		29/04/2120		00/00/0000	
सूर्य	17/08/2079	चंद्र	27/02/2086	मंगल	25/09/2095	राहु	10/01/2105	गुरु	18/06/2122
चंद्र	15/02/2080	मंगल	28/09/2086	राहु	13/10/2096	गुरु	06/06/2107	शनि	29/12/2124
मंगल	22/06/2080	राहु	29/03/2088	गुरु	19/09/2097	शनि	12/04/2110	बुध	06/04/2127
राहु	17/05/2081	गुरु	29/07/2089	शनि	28/10/2098	बुध	29/10/2112	केतु	12/03/2128
गुरु	05/03/2082	शनि	27/02/2091	बुध	26/10/2099	केतु	16/11/2113	शुक्र	03/10/2129
शनि	15/02/2083	बुध	29/07/2092	केतु	24/03/2100	शुक्र	16/11/2116		00/00/0000
बुध	23/12/2083	केतु	27/02/2093	शुक्र	24/05/2101	सूर्य	11/10/2117		00/00/0000
केतु	28/04/2084	शुक्र	28/10/2094	सूर्य	29/09/2101	चंद्र	12/04/2119		00/00/0000
शुक्र	29/04/2085	सूर्य	29/04/2095	चंद्र	30/04/2102	मंगल	29/04/2120		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 6 वर्ष 6 मा 10 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति के हो जाएंगे। आप अपनी पत्नी/पति पर प्रभुत्व जमाएंगे। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगे।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहते हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहते हैं। आप चाहते हैं कि आपकी पत्नी आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगिनी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरी धर्मपत्नी जीवन संगिनी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकता है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है। मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते

हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए। ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।